श्रीवास्तव, ... गणेश बजाज रहे।

हिंदुस्तान 20/10/2024

सीएसए: मशरूम प्रशिक्षण 21 से 26 तक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र में पादप रोग विज्ञान विभाग ने छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया। यह 21 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। नोडल अधिकारी डॉ. एसके विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं, वे प्रशिक्षण ले सकते हैं। डॉ. खलील खान ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

सूर्यास्त
05.12

न्यूनतम
15.0°

62,710

78,500

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 110 कानपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

21अक्टूबर से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण होगा शुरू

ति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व विद्यालय स्थिति मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे।डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को अलग से शुल्क देना होगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मशरूम पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कोई भी युवक/युवतियां अधिक जानकारी के लिए 9452522504 एवं 9140717052 फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

रविवारीय
स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
कानपुर, रविवार
20 अक्टूबर, 2024
कार्तिक मास कृष्ण पक्ष 3
सं. 2081 वि.
वर्ष 36, अंक -63 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
मूल्य : 3 रुपये
epaper : epaper.swatantrabharat.net
web portal : swatantrabharat.net

सीएसए में छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण होगा शुभारंभ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 अक्टूबर से आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं।,तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग भी कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए एक हजार रूपए. पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी।

हिंदुस्तान 20/10/2024

शहर 30s

मृदा की सेहत के लिए नीति बनाएं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली की तीन दिवसीय संयुक्त संगोष्ठी में देशभर से आए वैज्ञानिकों ने ऊर्जा, पानी व मृदा के बचाव पर मंथन किया। मृदा एवं जल संरक्षण समिति नई दिल्ली की आमसभा भी हुई। इसमें मृदा बचाव को आकर्मक नीति बनाने का निर्णय लिया गया। प्रोफेसर जितेंद्र सिन्हा, डॉ. मुनीश कुमार, डॉ.जेपी सिंह, डॉ. संजय अरोड़ा ने जानकारी दी।

सूर्यास्त
05.12

न्यूनतम
15.0°

62,710

78,500

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 110 कानपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऊर्जा के वैज्ञानिकों ने शोध पत्रों का किया प्रस्तुतीकरण

कानपुर । सीएसए एवं मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 卐मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा卐 विषय पर संगोष्ठी के दूसरे दिन छह तकनीकी सत्रों में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें मुख्यतः ऊर्जा, पानी एवं मृदा के बचाव पर मंथन हुआ। इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण समिति नई दिल्ली की आमसभा भी आयोजित की गई। जिसमें संस्था के सम्मानित सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया। आज राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न तकनीकी छात्रों में मुख्य वक्ता प्रोफेसर जितेंद्र सिन्हा,डॉक्टर जेपी सिंह, डॉक्टर संजय अरोरा, डॉक्टर ओ पी अश्वत, डॉक्टर मनी मनन एवं डॉक्टर मुकेश कुमार ने अपने शोध कार्यों को का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज पोस्टर ,मौखिक एवं पावर पॉइंट पर वैज्ञानिकों ने प्रस्तुतिकरण दिया है।इस अवसर पर और डॉक्टर कौशल कुमार, डॉक्टर सर्वेश कुमार सहित देश एवं प्रदेश के सैकड़ों वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया है।

आज का कानपुर

हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऊर्जा के वैज्ञानिकों ने शोध पत्रों का किया प्रस्तुतीकरण

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए एवं मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा विषय पर संगोष्ठी के दूसरे दिन छह तकनीकी सत्रों में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें मुख्यत- ऊर्जा, पानी एवं मृदा के बचाव पर मंथन हुआ। इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण समिति नई दिल्ली की आमसभा भी आयोजित की गई। जिसमें संस्था के सम्मानित सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया। आज राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न तकनीकी छात्रों में मुख्य वक्ता प्रोफेसर जितेंद्र सिन्हा,डॉक्टर जेपी सिंह, डॉक्टर संजय अरोरा, डॉक्टर ओ पी अश्वत, डॉक्टर मनी मनन एवं डॉक्टर मुकेश कुमार ने अपने शोध कार्यों को का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज पोस्टर ,मौखिक एवं पावर पॉइंट पर वैज्ञानिकों ने प्रस्तुतिकरण दिया है।इस अवसर पर और डॉक्टर कौशल कुमार, डॉक्टर सर्वेश कुमार सहित देश एवं प्रदेश के सैकड़ों वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया है।

मौसम
अधिकतम तापमान 33 .c
27 .c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 73.840g
चांदी 87.000 kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 अपने ही क्षत्रपों से परत कांग्रेस, पतन में अंतर्कलह की बड़ी भूमिका

प्रियंका चोपड़ा ने स्विटजरलैंड में पू

वर्ष :10 अंक :254 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , रविवार 20 अक्टूबर 2024 पृष्ठ : 08

राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऊर्जा के वैज्ञानिकों ने शोध पत्रों का किया प्रस्तुतीकरण

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर , सीएसए एवं मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ₹मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा₹ विषय पर संगोष्ठी के दूसरे दिन छह तकनीकी सत्रों में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें मुख्यतः ऊर्जा, पानी एवं मृदा के बचाव पर मंथन हुआ। इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण समिति नई दिल्ली की आमसभा भी आयोजित की गई। जिसमें संस्था के सम्मानित सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया। आज राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न तकनीकी छात्रों में मुख्य वक्ता प्रोफेसर जितेंद्र सिन्हा, डॉक्टर जेपी सिंह, डॉक्टर संजय अरोरा, डॉक्टर ओ पी अश्वत, डॉक्टर मनी मनन एवं डॉक्टर मुकेश कुमार ने अपने शोध कार्यों को का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज पोस्टर ,मौखिक एवं पावर पॉइंट पर वैज्ञानिकों ने प्रस्तुतिकरण दिया है।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

ड-292 रविवार,20 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

ध्या का लाइटा

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मृदा, जल और ऊर्जा के वैज्ञानिकों ने शोध पत्रों का किया प्रस्तुतीकरण

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 卐मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा卐 विषय पर संगोष्ठी के दूसरे दिन छह तकनीकी सत्रों में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें मुख्यत= ऊर्जा, पानी एवं मृदा के बचाव पर मंथन हुआ। आज इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण समिति नई दिल्ली की आमसभा भी आयोजित की गई। जिसमें संस्था के सम्मानित सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया। आज राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न तकनीकी छात्रों में मुख्य वक्ता प्रोफेसर जितेंद्र

सिन्हा,डॉक्टर जेपी सिंह, डॉक्टर संजय अरोरा, डॉक्टर ओ पी अश्वत, डॉक्टर मनी मनन एवं डॉक्टर मुकेश कुमार ने अपने शोध कार्यों को का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज पोस्टर ,मौखिक एवं पावर पॉइंट पर वैज्ञानिकों ने प्रस्तुतिकरण दिया है इस अवसर पर और डॉक्टर कौशल कुमार, डॉक्टर सर्वेश कुमार सहित देश एवं प्रदेश के सैकड़ों वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मृदा, जल और ऊर्जा के वैज्ञानिकों ने शोध पत्रों का किया प्रस्तुतीकरण

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं मृदा संरक्षण सोसाइटी ऑफ इंडिया नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'मृदा जल एवं ऊर्जा प्रबंधन द्वारा सतत कृषि और आजीविका सुरक्षा' विषय पर संगोष्ठी के दूसरे दिन छह तकनीकी सत्रों में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें मुख्यतः ऊर्जा, पानी एवं मृदा के बचाव पर मंथन हुआ। आज इस अवसर पर मृदा एवं जल संरक्षण समिति नई दिल्ली की आमसभा भी आयोजित की गई। जिसमें संस्था के सम्मानित सदस्यों ने बढ़कर भाग लिया। आज राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभिन्न तकनीकी छात्रों में मुख्य वक्ता प्रोफेसर जितेंद्र सिन्हा,डॉक्टर जेपी सिंह, डॉक्टर संजय अरोरा, डॉक्टर ओ पी अश्वत, डॉक्टर मनी मनन एवं डॉक्टर मुकेश कुमार ने अपने शोध कार्यों को का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम आयोजक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज पोस्टर ,मौखिक एवं पावर पॉइंट पर वैज्ञानिकों ने प्रस्तुतिकरण दिया है।इस अवसर पर और डॉक्टर कौशल कुमार, डॉक्टर सर्वेश कुमार सहित देश एवं प्रदेश के सैकड़ों वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया है।